

कैसर पुं. (अर.) 1. सम्राट, बादशाह 2. जर्मनी के सम्राट की उपाधि।

कैसा क्रि.वि.(तद्.) किस तरह का वि. (देश.) 1. किस प्रकार का 2. (निषेधार्थक प्रश्न के रूप में) किस प्रकार का। किसी प्रकार का नहीं जैसे- जब हमने लिया ही नहीं तो देना कैसा।

कैसे क्रि.वि. (देश.) किस तरह, किस प्रकार जैसे- यह कैसे होगा कि तुम चले जाओ और वह रह जाए 2. किस लिए? क्यों जैसे- तुम उसे कैसे पुरस्कार दोगे।

कोंकण पुं. (तत्.) महाराष्ट्र और कर्नाटक से लगा दक्षिण भारत का समुद्र के किनारे का एक क्षेत्र 2. उक्त देश का निवासी (व्यक्ति) 3. एक प्रकार का शस्त्र।

कोंकणसुत पुं. (तत्.) परशुराम।

कोंकणा स्त्री. (तत्.) परशुराम की माता रेणुका जो कोंकणावती भी कहलाती हैं।

कोंकणी स्त्री. (तत्.) कोंकण देश की भाषा जो भाषाओं के मेल से बनी है।

कोंचना स.क्रि. (तद्.) चुभाना, गोदना, गाड़ना।

कोंचा पुं. (देश.) 1. बहेलियों की वह लंबी लम्घी जिसके पतले सिरे पर वे लोग लासा लगाए रहते हैं और जिससे वृक्ष पर बैठे हुए पक्षी को कोंच कर फंसा लेते हैं, खोंचा 2. भड़भूँजे का वह कलछा जिससे बालू निकाला जाता है 3. मोटी लिट्टी।

कोंचिड़ा पुं. (देश.) जंगली प्याज जो दक्षिण हिमालय में होती है और दवा के काम में आती है, कौड़ा।

कोंछ पुं. (देश.) स्त्रियों के अंचल का एक कोना। मुहा. कोछ भरना-सौभाग्यवती स्त्रियों के अंचल के कोने में चावल, मिठाई, हल्दी आदि मंगलद्रव्य डालना।

कोंछना स.क्रि. (देश.) कोछियाना।

कोंछियाना स.क्रि. (देश.) स्त्रियों की साड़ी का वह भाग चुनना जो पहनने में पेट के आगे खोंसा

जाता है, फुबती चुनना 2. (स्त्रियों के) कोंछ में कोई चीज भरकर उसके दोनों छोरों को आगे की ओर कमर में खोस देना।

कोंछी स्त्री. (देश.) साड़ी या धोती का वह भाग जिसे चुनकर स्त्रियाँ पेट के आगे खोंसती हैं, फुबती, तिन्नी, नीबी।

कोंडरा स्त्री. (तद्.) लोहे का वह कड़ा जो मोट के मुँह पर लगा रहता है, गोंडरा।

कोंडरी स्त्री. (तद्.) हुडक बाजे की वह लकड़ी जिस पर चमड़ा मढ़ा रहता है।

कोंथना अ.क्रि. (तद्.) कूथना या कराहना।

कोंवर वि. (तद्.) नरम, मुलायम, नाजुक।

कोंस पुं. (देश.) लंबी फली, छीमी।

को पुं. (देश.) कर्म और संप्रदान का विभक्ति प्रत्यय जैसे- मोहन को यह पुस्तक दो।

कोआ पुं. (देश.) 1. रेशम के कीड़े का घर, कुसियारी 2. टसर नामक रेशम का कीड़ा 3. महुए का पका फल, कोलैदा, गोलैदा 4. कटहल के पके हुए बीज कोश 5. धुनी हुई ऊन की पोनी, जिसे कात कर ऊन का तागा निकालते हैं 6. दे. कोया।

कोइरान पुं. (देश.) वह बस्ती जहाँ कोइरी रहते हैं।

कोइरी पुं. (देश.) साग पात बेचने वाली एक जाति, इस जाति के लोग सब्जियाँ बोते और बेचते हैं, काछी।

कोइल स्त्री. (देश.) 1. दही बिलोते समय मटके के उपर रखी जाने वाली गोल और छेद वाली लकड़ी 2. कोयल।

कोइली स्त्री. (देश.) 1. वह कच्चा आम जिसमें किसी प्रकार का आघात लगने से एक काला धब्बा पड़ा जाता है, ऐसा आम कुछ सुगंधित और स्वादिष्ट होता है 2. आम की गुठली।

कोई सर्व. (तद्.) 1. ऐसा एक मनुष्य या पदार्थ जो ज्ञात न हो, न जाने कौन एक जैसे- वहाँ कोई है जो साफ दिखता नहीं 2. ऐसा एक जो अनिर्दिष्ट हो, बहुतों में से चाहे जो एक, अविशेष वस्तु या